No. of Printed Pages : 6

BPYE-002

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

01245

Term-End Examination

June, 2014

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :

*(i) Answer **all** five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

---

1. What are the common characteristics in the tribal world-view ? Explain the Santhal world-view in detail. *20*

OR

Who are the important social philosophers to have influenced dalits in their outlook on life and the world ? Explain how. *20*

2. Write a detailed essay on the tribal administration. 20

OR

Violence against the dalits is structural. Explain the different structures of violence against the dalits. 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

   (a) Elucidate the cosmotheandric nature of tribal world-view. 10

   (b) Tribal morality places great emphasis on community and tribe. Explain. 10

   (c) How did the prominent dalit leaders try to moot out caste-system through political struggle ? 10

   (d) Explain the role of civil society in the dalit empowerment. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

   (a) Explain some of the core values of the tribals. 5

   (b) Describe orality as a cultural meaning synthesis. 5

   (c) How does tribal philosophy manifest an original mode of perceiving and relating to nature ? 5

   (d) What does Ambedkar mean by 'Hindu Social Order' ? 5

(e) The dalit politics of 20th century understands very well the role of intellectuals in ideology formulation. Explain. 5

(f) Explain 'I – thou' relation as a schemata of dalit liberation. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Origin myths 4

(b) Death and 'bringing in the shade' 4

(c) Nawakhani (New harvest feast) 4

(d) Adivasi Identity 4

(e) Philosophy of liberation 4

(f) Marginalisation 4

(g) Hegemony (Gramsci) 4

(h) E.V.R. Periyar 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय और दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट :

(i) ***सभी*** *पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

---

1. जनजातीय विश्व-दृष्टि की सामान्य विशेषताएँ क्या हैं ? संथाल की विश्व-दृष्टि को विस्तार से स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

दलितों की विश्व-दृष्टि और जीवन-दृष्टि को किन प्रमुख सामाजिक दार्शनिकों ने प्रभावित किया है ? व्याख्या कीजिए कि उन्होंने ऐसा किस प्रकार किया है । *20*

2. जनजातीय प्रशासन पर विस्तृत निबन्ध लिखिए । 20

अथवा

दलितों के ऊपर की जाने वाली हिंसा ढाँचागत हिंसा है । दलितों के ऊपर की जाने वाली हिंसा के विभिन्न ढाँचों/ढंगों की व्याख्या कीजिए । 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) जनजातीय विश्व-दृष्टि की विश्व-धर्म केन्द्रित प्रकृति को स्पष्ट कीजिए । 10

(ख) जनजातीय नैतिकता समुदाय और जाति पर बहुत बल देती है । व्याख्या कीजिए । 10

(ग) मुख्य दलित चिन्तकों (नेताओं) ने जाति-व्यवस्था को राजनैतिक संघर्ष के द्वारा कैसे समाप्त करने का प्रयास किया ? 10

(घ) दलित सशक्तिकरण में जनसाधारण समाज (civil society) की भूमिका की व्याख्या कीजिए । 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए ।

(क) जनजातियों के कुछ आधारभूत मूल्यों की व्याख्या कीजिए । 5

(ख) सांस्कृतिक अर्थ विश्लेषण के रूप में मौखिक परम्परा का वर्णन कीजिए । 5

(ग) जनजातीय दर्शन कैसे प्रकृति के प्रति मौलिक दृष्टि और सम्बन्ध को अभिव्यक्त करता है ? 5

(घ) 'हिन्दु सामाजिक क्रम व्यवस्था' से अम्बेडकर का क्या तात्पर्य है ? 5

(ङ) बीसवीं शताब्दी की दलित राजनीति बहुत अच्छे ढंग से विचारधारा निर्माण में बौद्धिक वर्ग की भूमिका को समझती है – व्याख्या कीजिए । 5

(च) दलित मुक्ति के सूत्र के रूप में 'मैं और तुम' सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उत्पत्ति मिथक 4

(ख) मृत्यु और 'शरण में लाना' (bringing in the shade) 4

(ग) नवाखानी (नव फसल दावत) 4

(घ) आदिवासी पहचान 4

(ङ) मुक्ति-दर्शन 4

(च) हाशियाकरण (Marginalisation) 4

(छ) अधिपत्य (ग्रामसी) 4

(ज) ई.वी.आर. पेरियार 4